भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान
ICAR- National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics
पोस्ट बॉक्स 6450, यलहंका, बेंगलुरु 560064, कर्नाटक

पीपीआर (बकरी प्लेग)

बकरी प्लेग या पीपीआर बकरीयों और भेंडों में होने वाला विषाणु जनित अत्यधिक तीव्र संक्रामक रोग है। इसे काटा, बकरी प्लेग या बकरी रिनडरपेस्ट के नाम से भी जाना जाता हैं। पशु बेड़ों में संक्रमण होने से अधिकतर पशुओं की मृत्यु हो जाती है जिससे पशुपालको को भारी नुकशान उठाना पड़ता है।

रोग का संकमण

- संक्रमित पशुओं के संपर्क में आने से
- संक्रमित पशुओं के छिकने और खासने से
- संक्रमित चारे के खाने और पानी के पीने से

रोग का संचरण

- दूषित भोजन, पानी, बिस्तर और अन्य उपकरणों से
- ग्रसित पशु के स्राव और मल उत्सर्जन मे
- बाजार से नए खरीदे बीमार पशु से पूरे झुंड में फैलना
- संक्रमण साँस के माध्यम से और आंख के माध्यम से होता है

रोग का लक्षण

- तेज बुखार (40 - 41°C)
- सुस्त पशु, सूखी कोट और थूथन
- आँख और नाक से गाढा स्राव का आना
- नाक और आंख पर एक परत का बनना
- मुख में, होठों पर, मसूड़ों पर, तालू और जीभ पर परिगलित घावों का बनना
- मुंह से दुर्गंध का आना
- निमोनिया
- डायरिया तथा मल मे खून का आना
- गर्भवती बकरीयों का गर्भपात होना इत्यादि

रोग नियत्रण एवं प्रबंधन

- बीमार पशुओं को अलग किया जाना चाहिए
- प्रभावित जानवर को पर्याप्त आराम देना चाहिए
- प्रभावित पशुओं को चावल, मेंडुया और या दलिया जैसे तरल भोज खिलाना चाहिए
- तत्काल परामर्श और एंटीबायोटिक उपचार के लिए नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए
- पशुओं को चराई के लिए नही छोड़ना चाहिए
- बेड़ों पर सख्त स्वच्छता और सफाई रखनी चाहिए
- कीटाणुनाशक जैसे फिनोल, सोडियम हाइड्रोक्साइड (2%) से बेड़ों की सफाई करे
- जिन क्षेत्रों में रोग प्रचलित है वहा के पशु बाजार से पशुओं को नही खरीदना चाहिए

उपचार और टिकाकरण

- अल्सर पर ग्लिसरीन या वसा का लेप करना चाहिए
- 1 लीटर पानी में 1g पोटेशियम परमैंगनेट डालकर मुंह में अल्सर को प्रति दिन 2 से 3 बार धोने चाहिए
- रोग के फैलने की स्थिति में टीकाकरण के लिए निकटतम पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए

टीकाकरण

- इस रोग के प्रसार को टीका लगाकर ही रोका जा सकता है
- 3 महीने की उम्र पर पशुओं को पीपीआर का टीका लगवाए
- यह टीका तीन साल तक रोग प्रतिरक्षा प्रदान करता है
- **अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे**

*****

संकलित और संपादित
डॉ. वी. बालामुरगन, डॉ. अवधेश प्रजापति, डॉ. योगीशाराध्या आर., डॉ. जी. एस. देसाई, डॉ. जी. गोविन्दराज

प्रकाशक
निदेशक
भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, पोस्ट बॉक्स-6450, यलहंका, बेंगलुरु-560064, कर्नाटक
फोन: 080-23093110, 23093111 फैक्स: 080- 23093222, वेबसाईट: www.nivedi.res.in, ईमेल: director.nivedi@icar.gov.in

2016